an>

Title: Need to set up a Sugarcane Development Centre in Hardwar.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। जैसा कि आपको पता है कि हरिद्वार क्षेत्र आध्यात्म और योग की राजधानी होने के साथ-साथ उत्तराखंड में गन्ना उत्पादन का बहुत महत्वपूर्ण केंद्र है। हरिद्वार के निकट देहरादून, बिजनौर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और मेरठ ऐसी धरती है जो देश के सर्वोच्च शिखर पर गन्ने का उत्पादन करती है। हरिद्वार में गन्ना अनुसंधान केंद्र की स्थापना की स्वीकृति दी गई थी जिसकी आज तक स्थापना न होने से वहां किसानों में भारी आक्रोश है। महोदय, जैसा कि आपको पता है कि चाहे वह अमरीका हो, आस्ट्रेलिया हो, ब्राजील हो ये प्रति हैक्टेयर भारत से 15 से 20 प्रतिशत अधिक उत्पादन करते हैं और चीन लगभग 86 प्रति हैक्टेयर टन का उत्पादन करता है। ऐसी स्थिति में हमारे गन्ना किसान भारी खामियाजा भुगत रहे हैं।

श्रीमन, हरिद्वार में जो गन्ना शोध संस्थान खुलने वाला है, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इसे तत्काल खोला जाए। विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ-साथ अत्याधुनिक शोध इसमें समाहित किया जाए। इस शोध संस्थान के पर्याप्त विस्तार केंद्र खोले जाएं ताकि प्रयोगशाला की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी किसान के अंतिम खेत तक उसका उपयोग कर सकें। इसका खुलना बहुत जरूरी है। कृषि प्रबंधन के क्षेत्र में भी शोध और शैक्षणिकता बहुत जरूरी है ताकि उसकी व्यवस्थित प्रबंधन हो सके। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि इन किसानों को दो वर्ष से उनका गन्ना मूल्य नहीं मिला इसलिए किसान गन्ना उत्पादन से अपना मुंह मोड़ रहे हैं जो देश की प्रगति में बहुत बाधक बनेगा।

मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि तत्काल गन्ना किसानों का भुगतान ब्याज सहित किया जाए और तत्काल प्रभाव से एक अंतर्राष्ट्रीय गन्ना शोध संस्थान हरिद्वार में स्थापित किया जाए। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON: S/Shri Bhairon Prasad Mishra, Sudheer Gupta, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Sharad Tripathi and Dr. Manoj Rajoria are permitted to associate with the issue raised by Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank.